नर्सरी तालाबों का प्रबन्ध

केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यकी अनुसंधान संस्थान
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्)
बैरकपुर कोलकाता - 700 120, पश्चिम बंगाल

नर्सरी तालाबों का प्रबन्धन

कार्प मछलियों के कोमल जीरे (स्पान) अण्डे से निकलने के तीन दिन बाद बाहरी भोजन ग्रहण करना आरम्भ करते है । इस समय इनके बढ़ने एवं बचाव के लिए उचित वातावरण एवं समुचित भोजन की विशेष आवश्यकता होती है । अच्छे तैयार किए हुए नर्सरी तालाबों में 5-6 मी. मी. के जीरे 2-3 सप्ताह में बढ़ कर 25-30 मी. मी. के फ्राई हो जाते है ।

नर्सरी तालाब लगभग 0.02-0.05 हेक्टर के होने चाहिए तथा इनमें 1.0-1.5 मी. तक जल होना चाहिए । ऐसे तालाब जो गर्मियों में सूख जाते है, इस कार्य के लिए अधिक उपयुक्त होते है । बड़े सीमेन्ट के नादों को ही नर्सरी के रूप में प्रयोग किया जा सकता है ।

नर्सरी तालाब प्रबन्धन के निम्नलिखित चरण है :—

1. नर्सरी तालाबों से पानी के पौधों की हाथ से उखाड़ देना अति आवश्यक होता है । यह कार्य ग्रीष्मकाल में किया जा सकता है ।

2. इन तालाबीं से सभी प्रकार की मछलियों का पूर्ण उन्मुलन भी आवश्यक है । यह कार्य तालाब का सारा पानी निकाल कर एवं करीब एक सप्ताह तक सूखा छोड़ कर किया जा सकता है । यदि तालाब का सारा जल निकालना संभव न हो तो मछलियों के उन्मूलन के लिए बिषैले पदाथों का प्रयोग आवश्यक है । यूं तो मछलियों को मारने वाले विषैले पदार्थ अनेक है, परन्तु महुआ की खली (2000-2500 किलो प्रति हेक्टर प्रति मीं के दर से) इस कार्य के लिए सबसे अधिक उपयुक्त है एवं साधारणतः इसी का प्रयोग किया जाता है । इससे मारी हुई मछली मुष्य के खाने के योग्य होती हौ । इसकी विषाक्तता पानी मे 15-20 दिनो तक रहती है । विष देने का कार्य वर्षाकाल के पहले, जब तालाब में जल सबसे कम रहता है, करना आर्थिक दृष्टि से उचित है । महुआ की खली के उचित परिमाण को जल में भिंगोकर तालाब में छिड़क देना चाहिए । तत्पश्चात् तालाब में जाल डालना चाहिए ताकि यह अच्छी तरह जल में मिल जाय और मछलियाँ निकाली जा सके ।

3. मछलियों के उन्मुलन के करीब दो सप्ताह बाद तालाब में 250-300 किलो प्रति हेक्टर के दर से साधारण चूना (क्विक लाईम) देना चाहिए । चूना तालाब को कीटाणुओं से मुक्त करता है एवं दिए हूए खाद का पूर्ण रुप से इस्तेमाल होने में सहायता करता है ।

4. तालाब में मछली के भोजन (प्लैकटन) की उपज को बढ़ाने के लिए कच्चा गोबर (10000 किलो/हैक्टर के दर से) तालाब में चारो तरफ छीड़काव कर देना चाहिए । यह कार्य जीरा डालने के अनुमानित दिन से लगभग 15 दिन पहले करना चाहिए । जिन तालाबों में मछली उन्मूलन के लिए महुआ की खली का प्रयोग किया गया हो उनमें गोबर का परिमाण आधा दिया जाता है ।

5. नर्सरी तालाब में जीरे डालने से पूर्व पानी के कीड़ो का उन्मूलन आवश्यक है । यह कार्य जीरा डालने वाले दिन या उससे एक दिन पूर्व करना चाहिए । इस कार्य लिए गर्म पानी में सस्ते साबुन (56 किलो/हेक्टर) का घोल तथा किसी वनस्पति तेल (18 किलो/हेक्टर) के मिश्रण का तालाब की सतह पर छिड़काव करना चाहिए । छिड़काव प्रायः तड़के सुबह, जब तेज हवा न चल रही हो, करना चाहिए ताकि तालाब के पूरे सतह पर तेल की एक पतली स्तर सी बन सके । इस क्रिया से पानी के सारे कीड़े 1-2 घंटे के अंदर मर जाते है । कीड़ो के उन्मूलन के लिए 80-100 लीटर/हेक्टर की दर से किरासिन तेल का छिड़काव भी किया जा सकता है ।

6. तत्पश्चात्, प्रातःकाल या संध्या के समय नर्सरी में जीरा संग्रहण करना चाहिए । जीरा संग्रहण का उचित दर 25-30 लाख प्रति हेक्टर है ।

7. मछलियों के बढ़ते हूए बच्चों को समुचित मात्रा में आहार मिलने के लिए प्राकृतिक भोजन के साथ-साथ अतिरिक्त भोजन भी देना आवश्यक है । इसके लिए महीन पिसी और छानी हुई सरसो या मूंगफली की खली और चावल की भूसी को बराबर मात्रा में मिला कर प्रयोग किया जाता है । यह अतिरिक्त भोजन प्रति 1 लाख जीरो के लिए पहले 5 दिनों में 0.56 किलो प्रति दिन और अगले 7 दिन 1.12 किलो प्रति दिन के दर से देना चाहिए । भोजन को सुबह के वक्त पानी के सतह पर छिड़क देना चाहिए ।

8. नर्सरी तालाब से फ्राई पकड़ने की क्रिया जीरा संग्रहण के दो सप्ताह बाद किया जाता है । यदि आकाश में बादल छाए हो या कड़कती घूप हो तो यह क्रिया नहीं करनी चाहिए । तालाब से फ्राई निकालने के एक दिन पहले अतिरिक्त भोजन देना बन्द कर देना चाहिए । यदि फ्राई दूर तक ले जाना है तो उन्हें में 3-6 घंटे तक रख कर स्थिरावस्था में (कन्डीशनिंग) कर लेना चाहिए ।

नर्सरी तालाब प्रबन्धन आर्थिक दृष्टि से काफी लाभप्रद है । इस पद्धति से जीरों के अनुपात में लगभग 60 फ्राई पाने की आशा की जाती है । अनुमानतः 0.1 हेक्टर के नर्सरी तालाब में 2000 रूपए का व्यय आता है और शुद्ध लाभ 3400 रूपया (मूलधन पर 170%) होता है ।